LANGUAGES

हिंदी (कक्षा 11)

सीखने के प्रतिफल	स्रोत/संसाधन	सुझावात्मक क्रियाकलाप/गतिविधियाँ (शिक्षकों द्वारा निर्देशित)
भाषाकौशल एवं दक्षता(पढ़ना, लिखना, सुनना और बोलना) • कहानी को फिर से अपनी अपनी तरह से लिख सकते हैं। • कहानी का अंत और शुरुआत नए तरीके से कर सकते हैं। • कहानी में आए विशेष शब्दों और वाक्यों को अपने ढंग से प्रयोग कर सकते हैं। • कहानियों की लेखन शैली में अंतर कर सकते हैं। • विधागत अंतर को समझ सकते हैं। • अभिनय के जरिए कहानी को अभिव्यक्त कर सकते हैं। (यह सब करते हुए आप कहानी लिखने की कला से वाकिफ़ हो रहे हैं।)	• संबंधितअधिगम सामग्री एनसीईआरटी के यूट्यूब चैनल औरएनआरओईआर (NROER)परभी देख सकते हैं। एनसीईआरटी की किताबों में दिए क्यूआर कोड (QR code)में भी आपको भी बहुत कुछ मिलेगा। https://youtu.be/X4I0jzxnmi4 (ये सबकुछ तो हमसब कर सकते हैं) • एनके लाइव .टी.आर.ई.सी. बातचीतकार्यक्रममें "कहानी पढ़ते हुए विषय" पर प्रोफ़सर संध्या सिंह द्वारा की गई चर्चाको देखें। https://www.youtube.com/watch?v=X4I0jzxnmi4&t=5s • अभिव्यक्ति और माध्यम में कैसे लिखे और कहानी पढ़े http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?kham1=0-16 • आरोह भाग 2 http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?lhar1=0-18	**आपमें भी एक कहानीकार है!** साथियों, इस कठिन समय में भी हमारे साथ अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जिसे संजो लेना है। अगर ध्यान से देखें तो हमारे चारों ओर बहुत सी कहानियाँ बिखरी पड़ी हैं। ज़रूरत यह है कि इस एकांत में उन्हें सुनने की कोशिशकरें।कलम उठाइए और कुछ लिख भी डालिए।हर दिन एक कहानी। कुछ आप लिखें कुछ हम।चलिए कुछ तैयारी कर लें। सबसे पहले अपनी किताब की किसी भी एक कहानी को ले लीजिए। **पहला और दूसरा सप्ताह** (समझ कर सुनते, बोलते, पढ़ते और लिखते हुए • कहानी को पढ़कर अपने घर वालों और साथियों को सुनाया जा सकता है। कहानी को आप स्काइप (skype) पर रिकॉर्ड करके ईमेल भी कर सकते हैं। • कहानी में आए अलग प्रयोग वाले शब्दों और वाक्यों को रेखांकित करके अपनी दिनभर की बातचीत में प्रयोग कर कहानी का आनंद ले सकते हैं। • उसी लेखक की कुछ अन्य कहानियों को पढ़कर कहानी की लेखन शैली को समझ सकते हैं, जैसे— कुछ कहानियाँ संवादात्मक हैं, तो कुछ कहानियाँ वर्णनात्मक होती हैं। • कहानी को नाटक में बदल सकते हैं।अभिनय करके भी कहानी कही जा सकती है।अगर संभव हो तो यह भी लिखें कि कहानी को नाटक में बदलते समय आप किस तरह के भाषिक प्रयोगों पर बल देते रहे हैं। • इसके अतिरिक्त आपकी पढ़ी किसी भी कहानी की समीक्षा कर सकते हैं। समीक्षा के कुछ बिंदु-

		- कथानक और परिवेश - भाषा कहानीकला **तीसरा और चौथा सप्ताह** ● वर्तमान समय के अनुसार कहानी को बदल कर देखें। उदाहरण के लिए आज के करोना महामारी के समय में फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'पहलवान की ढोलक'को फिर पढ़कर देखिए। उस कहानी में भी एक महामारी का वर्णन हुआ है, साथ ही उस महामारी से निपटने में पहलवान की ढोलक पर उसकी थाप उस उदासी, निराशा और भयावहता के माहौल में एक संजीवनी का संचार करती है। यह कहानी कक्षा बारह की पुस्तक आरोह भाग 2 में शामिल है।आप इसे यूट्यूबपर भी खोज कर सकते हैं। ● अपनी पाठ्यपुस्तक की सभी कहानियों को इसी तरह पढ़ें।